E. Learning Study Material
By Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA Part 1st Economics Hons
Paper 1st.

Meaning of Elasticity of Demand :-
"माँग की लोच हमें इस बात की जानकारी देती है कि वस्तु के मुल्य में परिवर्तन के फलस्वरूप वस्तु की माँग में कितना परिवर्तन होता है।"

माँग का नियम हमें यह बताता है कि कीमत के बढ़ने और घटने पर माँग पर क्या प्रभाव पड़ता है। पर वह यह नहीं बताता है कि कीमत के बढ़ने और घटने से माँग कितनी बढ़ती और घटती है। जबकि अल्प दृष्टिकोणों से इस बात की जानकारी होना आवश्यक है। माँग का नियम हमें इस बात की जानकारी नहीं देता है कि एक वस्तु की कीमत में अल्प परिवर्तन से उसकी माँग में अधिक परिवर्तन क्यों होता है, जबकि दूसरी वस्तु के मुल्य में इतने ही परिवर्तन का प्रभाव उसकी माँग पर नहीं पड़ता है। उदाहरणस्वरूप, अगर नमक का मूल्य 10 पैसे से बढ़कर 11 पैसे प्रति किलोग्राम होता है तब भी उसकी माँग 10 किलो से घटकर 9.50 किलोग्राम हो जाती है या पूर्ववत् ही रहती है जबकि यदि चीनी का मूल्य इसी अनुपात से बढ़ता है तो उसकी माँग में अपेक्षाकृत अधिक कमी

हो जाती है। इस आर्थिक घटना की व्याख्या करने के लिए प्रो मार्शल ने एक नया विचार दिया है जिसे माँग की लोच कहा जाता है। माँग की लोच हमें इस बात की जानकारी देती है कि वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के फलस्वरूप वस्तु की माँग में कितना परिवर्तन होता है।

विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने माँग की लोच की व्याख्या प्रस्तुत की है कुछ प्रमुख परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं:-

1. प्रो० मार्शल के अनुसार, "किसी बाजार में माँग की लोच का कम या अधिक होना इस बात पर निर्भर है कि मूल्य में एक निश्चित कमी होने से माँग अधिक बढ़ती है या कम और मूल्य में एक निश्चित वृद्धि होने से माँग कम घटती है या अधिक।"

(The elasticity (or responsiveness) of demand in a market is great or small according as the amount demanded increases much for little for a given fall in price, or diminishes much or little for a given rise in price.)

2. मेयर्स (Mayers) के अनुसार, "माँग की लोच किसी दी हुई माँग वक्र पर कीमत में हुए सापेक्षिक परिवर्तन के फलस्वरूप खरीदी गयी मात्रा में सापेक्षिक परिवर्तन की माप है।"

(The elasticity of demand is a measure

of the relative change in amount purchased in response to a relative change in price at given demand curve)"

3. श्रीमती जॉन रॉबिन्सन (Mrs Joan Robinson) के अनुसार, "माँग की लोच किसी कीमत में थोड़े से परिवर्तन के परिणामस्वरूप खरीदी गयी मात्रा के आनुपातिक परिवर्तन को कीमत के आनुपातिक परिवर्तन से भाग देने पर प्राप्त होती है।"

(The elasticity of demand at any price or any output is the proportional change of amount ~~purchased~~ purchased in response to a mall change in price divided by the proportional change of Price.)

श्रीमती जॉन रॉबिन्सन की उपर्युक्त परिभाषा को हम निम्न रूप से व्यक्त कर सकते हैं :

$$E_P = \frac{\text{माँग में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$$, जब

E_P का अभिप्राय माँग की कीमत लोच से है।